सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आलू किसानों को बाजार भाव गिरने पर मिलेगी आर्थिक राहत पेज: 4

ट्रोलिंग को सफलता की कहानी का हिस्सा मानती पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 147 | मंगलवार 01 सितंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

-नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

चीनी मांझे ने ली पूर्व सैनिक की जान, ड्यूटी खत्म होने के बाद लौट रहे थे घर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में चीनी मांझे से गला कटने के कारण एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेवानिवृत्त नायब सूबेदार लखविंदर सिंह रविवार देर रात दोपहिया वाहन से बिश्नाह इलाके से गुजर रहे थे, तभी वह इस जानलेवा मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लखविंदर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक लखविंदर सिंह बाड़ी ब्राह्मण स्थित एक औद्योगिक इकाई में निजी सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे और ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने चीनी पतंग की डोर या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद प्रतिबंधित सामग्री की चोरी-छिपे बिक्री करने के आरोप में हाल के दिनों में जम्मू में कई दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस ताजा घटना के बाद प्रतिबंध को लागू करने को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने इसके इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं।

केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब : बारिश भी नहीं रोक सकी लाखों भक्तों की भीड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बदलते मौसम के बावजूद, बाबा केदार के भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। देश के हर कोने-कोने से श्रद्धालु तमाम चुनौतियों का सामना कर केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।

चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और

विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।

क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

पटना में जहरीली शराब का कहर : विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

-आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

हल्द्वानी, एजेंसी।

उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।

पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

पीएम मोदी का बाबर के देश में सम्मान, बीजेपी वालो मुबारक हो...

ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च मित्रता सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री को मिले सम्मान को लेकर भाजपा और आरएसएस पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को बधाई दी जानी चाहिए कि जिस देश से बाबर भारत आया था, उसी देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है।

ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उन्हें सम्मान मिलता है। उन्होंने भाजपा और संघ परिवार के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस बाबर के नाम पर उन्हें गालियां दी जाती थीं, अब उसी क्षेत्र के देश ने प्रधानमंत्री को नागरिक सम्मान दिया है। ओवैसी ने कहा कि ÷मैं मुबारकबाद देता हूं बीजेपी वालों को कि उस देश ने भी प्रधानमंत्री को अवार्ड दे दिया, जहां से

बाबर भारत आए थे।÷ उन्होंने आरएसएस और संघ परिवार से इस मुद्दे पर सोचने की बात कही और उम्मीद जताई कि अब बाबर का नाम लेकर उसी तरह की राजनीतिक बयानबाजी नहीं की जाएगी।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।

बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।

मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा

साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हो।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया

है।

रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे।

अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए जहां वे रहते हैं।

पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

कौशाम्बी, एजेंसी।

यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में होगा मेगा ट्रेड फेयर, मोदी-पुतिन होंगे शामिल !

-इस प्रदर्शनी से औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।

18वें ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में 9 से 11 सितंबर के बीच पहला बड़ा भारत-रूस इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस प्रदर्शनी से दोनों देशों के बीच सीधे व्यापारिक जुड़ाव, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और संयुक्त औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद है। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-रूस संबंधों के जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन का इस प्रदर्शनी का दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को कितना महत्व दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि प्रदर्शनी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायन, डिजिटल तकनीक, खनन एवं उत्खनन तकनीक, मानव-केंद्रित तकनीक और द्विपक्षीय व्यापार एवं औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।

जानकारी के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। पुतिन का नई दिल्ली दौरा एक साल में दूसरी बार है। वहीं भारत ने इस साल 13 जनवरी 2026 को ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाली थी। 14 जनवरी के आसपास भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस समिट से जुड़े आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया था। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

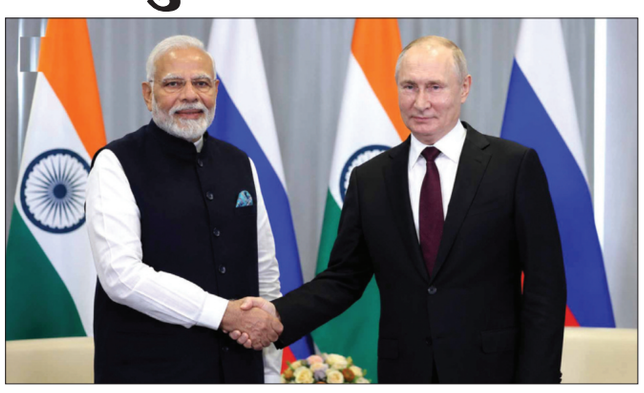

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुर्माने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेफ्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची कर-के उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अतः जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुःख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलन: विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

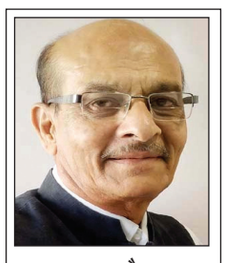

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत...

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए।

भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, क्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन

उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।

धनौरा क्षेत्र स्थित बाहें नदी में मिला अज्ञात युवक का शव, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी, शिनाख्त के प्रयास जारी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में सोमवार को एक गांव के निकट स्थित नदी में एक अज्ञात युवक का शव तैरता हुआ मिला। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मौके पर क्षेत्रीय ग्रामीण की भीड़ इकट्ठा हो गई घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने लोगों की मदद से युवक के शव को पानी से बाहर निकलवाया और युवक की शिनाख्त शुरू कर दी लेकिन देर शाम तक युवक की कोई पहचान नहीं हो सकी। पुलिस के मुताबिक युवक का शव 4 से 5 दिन पुराना बताया जा रहा है। बता दें कि पूरा मामला थाना मंडी धनौरा क्षेत्र के गंगा खादर क्षेत्र स्थित झुंडपुरा गांव के पास बाहे नदी का है जहां सोमवार

को एक अज्ञात युवक का शव मिला जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की सूचना पर थाना मंडी धनौरा पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला।थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिरोहा ने बताया कि प्राथमिक जांच में शव करीब चार से पांच दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शव की स्थिति खराब हो चुकी थी, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है।पुलिस ने आसपास के गांवों के लोगों को बुलाकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन देर शाम तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस अब गुमशुदगी की रिपोर्ट खंगाल रही है और सोशल मीडिया का भी सहारा ले रही है।इन दिनों गंगा नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है और खादर क्षेत्र में बाढ़ के कारण पानी का तेज बहाव है। पुलिस का अनुमान है कि युवक का शव बाढ़ के पानी में बहकर बाहे नाले में आ फंसा होगा।हालांकि, युवक की मौत डूबने से हुई है या इसके पीछे कोई आपराधिक कारण है, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। नियमानुसार, शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा।

धनौरा क्षेत्र में बाढ़ व बारिश के चलते मजदूर का मकान धराशाई, एक बच्चा घायल

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश व बाढ़ के कारण एक मजदूर का कच्चा बना हुआ मकान धराशाई हो गया। इस हादसे में मजदूर का एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि उसकी पत्नी को कुछ मामूली चोटें आई हैं। हादसे की बाद मौके पर पहुंचे लेखपाल ने घटनास्थल का मुआयना किया और संबंधित जांच रिपोर्ट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दी है। बता दें कि पूरा मामला मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के झुंडपुरा गांव का है जहां बाढ़ और बारिश के कारण एक कच्चा मकान धराशाई हो गया। रविवार देर रात हुई इस घटना में मजदूर नरेंद्र का परिवार बेघर हो गया। उनके छोटे बच्चे आदिक का कंधा टूट गया, जबकि

पत्नी राखी को भी मामूली चोटें आईं।यह हादसा रविवार देर रात उस समय हुआ, जब परिवार घर के भीतर सो रहा था। अचानक पूरा मकान भरभराकर नीचे गिर गया। आसपास के लोगों ने चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचकर मलबे में दबे परिवार को बाहर निकाला। आदिक के कंधे पर मलबा गिरने से उसकी हड्डी टूट गई। घायल बच्चे का उपचार जारी है।घटना के बाद नरेंद्र का परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। परिवार की बुजुर्ग महिला छोटी ने अपनी आपबीती सुनाते हुए बताया कि वे अत्यंत गरीब हैं और मजदूरी करके जीवन यापन करते हैं। उन्होंने सरकार और प्रशासन से तत्काल मकान और आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।हादसे की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हलका लेखपाल गौरव चौहान ने क्षतिग्रस्त मकान का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि नुकसान का आकलन कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है, जिसे उच्चाधिकारियों को भेजा जाएगा ताकि पीड़ित परिवार को राहत मिल सके। गांव के डालचंद, केहर सिंह, ननुवा, कृपाल और विक्रम , समाजसेवी मेजर सिंह कांबोज सहित अन्य ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि इस गरीब परिवार को तत्काल आर्थिक मुआवजा दिया जाए और सरकारी योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत किया जाए।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में आज गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट अमरोहा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने तथा विभिन्न विभागों के समन्वय से सड़क सुरक्षा उपायों को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट स्थलों को चिन्हित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सभी विद्यालयों में विद्यालय यान सुरक्षा समिति एवं रोड सेफ्टी क्लब का गठन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल के छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन

वाहनों से स्कूली बच्चों का परिवहन किया जा रहा है, वे सभी निर्धारित मानकों के अनुरूप फिट हों तथा वाहन की निर्धारित क्षमता से अधिक छात्र-छात्राओं का परिवहन न किया जाए। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालयों में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता अभियान एवं विभिन्न गतिविधियां आयोजित कराने के निर्देश दिए। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर स्कूली वाहनों के संबंध में गत बैठक में दिए गए निदेशों का प्रभावी अनुपालन न कराने तथा बैठक से अनुपस्थित रहने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका सिंह का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूल बसों की फिटनेस तथा वाहन चालकों एवं परिचालकों के फिटनेस प्रमाण-पत्रों का नियमित सत्यापन कराया जाए। साथ ही, जिन विद्यार्थियों को उनके अभिभावक ई-रिक्शा अथवा निजी वाहनों से विद्यालय भेजते हैं, उनके संबंध में भी आवश्यक दस्तावेज एवं प्रमाण-पत्र प्राप्त किए जाएं, जिससे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने सरकारी एवं निजी अस्पतालों में संचालित एम्बुलेंस वाहनों की फिटनेस की जांच एआरटीओ के माध्यम से कराने के निर्देश दिए। साथ ही, एम्बुलेंस में आवश्यक मेडिकल उपकरण एवं दवाओं की उपलब्धता की जांच करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिए। सड़क किनारे खड़े होने वाले अवैध वाहनों के लिए आवश्यक होल्डिंग एरिया चिन्हित करने के संबंध में अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए गए। सभी अधिशासी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क किनारे होने वाले अतिक्रमण को अभियान चलाकर हटाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जोया स्थित आबादी क्षेत्र में फ्लाईओवर के ऊपर एवं नीचे अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए। जोया स्थित एनएच-9 पर यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत एक माह के अंदर बस बॉक्स का निर्माण कराने के निर्देश एनएचएआई के अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता सहित जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने नारी निकेतन एवं राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह, मुरादाबाद का किया औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास द्वारा संयुक्त रूप से राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह, मुरादाबाद एवं नारी निकेतन, मुरादाबाद का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमलता त्यागी इन्द नागर, न्यायिक मजिस्ट्रेट, अमराहा भी उपस्थित रहीं। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने नारी निकेतन में रह रही महिलाओं से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की। उन्होंने महिलाओं की समस्याएं, जरूरतें और संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। महिलाओं ने स्वास्थ्य सुविधा, भोजन व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं से जुड़े मुद्दे सचिव के सामने रखे। इस पर सचिव ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके बाद समिति द्वारा राजकीय बाल सम्प्रेक्षण गृह, मुरादाबाद से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, काउंसलिंग, स्वास्थ्य जांच, मानसिक विकास एवं पुनर्वास कार्यक्रमों की समीक्षा की। समिति ने अधिकारियों से कहा कि बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें सकारात्मक वातावरण, उचित मार्गदर्शन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि ये समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड संधारण, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था तथा कर्मचारियों की कार्यप्रणाली की भी बारीकी से जांच की गई। कुछ व्यवस्थाओं में सुधार की आवश्यकता बताते हुए समिति ने नियमित मॉनिटरिंग करने और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। समिति ने कहा कि महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े संस्थानों में संवेदनशीलता, अनुशासन और जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा जरूरतमंद महिलाओं एवं बच्चों को न्याय और संरक्षण दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों से शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने और संस्थानों में मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमलता त्यागी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा उनके सर्वांगीण विकास हेतु अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप सेयह निर्देश भी दिया कि कोई भी बच्चा नशे की ओर न जाए, इसके लिए सख्त निगरानी एवं जागरूकता आवश्यक है। साथ ही बच्चों को अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं मेहनत के साथ अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रेरित किया। न्यायिक मजिस्ट्रेट, इन्द नागर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा उनके सर्वांगीण विकास हेतु अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से यह निर्देश भी दिया कि कोई भी बच्चा नशे की ओर न जाए, इसके लिए सख्त निगरानी एवं जागरूकता आवश्यक है। साथ ही बच्चों को अनुशासन, सकारात्मक सोच एवं मेहनत के साथ अपने भविष्य को संवारने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान नारी निकेतन में रह रही महिलाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। साथ ही अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण एवं समीक्षा करते रहने के निर्देश दिए गए, जिससे व्यवस्थाएं लगातार बेहतर होती रहें। अंत में सभी न्यायिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाल सम्प्रेक्षण गृह एवं नारी निकेतन में रहने वाले प्रत्येक बच्चे व महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

ईओ ने संभव पोर्टल के माध्यम से की जनसुनवाई

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा अंतर्गत संभव जनसुनवाई का आयोजन किया गया, पालिका अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार द्वारा पालिका मे विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर आये फरियादियों की समस्या का समाधान करवाया गया। उल्लेखनीय है की प्रदेश के मा. नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा की पहल पर प्रत्येक सप्ताह सोमवार को सभी निकायों मे संभव दिवस का आयोजन

कर नगर वासियो की पालिका से जुडी विभिन्न समस्याओं को दर्ज करवा कर उनका उचित निस्तारण करवाया जाता है। पालिका मे आयोजित संभव दिवस पर नगर पालिका परिषद अमरोहा मे सफाई व्यवस्था, जन्म- मृत्यु पंजीकरण, स्ट्रीट लाइट, पेयजल आपूर्ति, संपत्ति का नामांतरण, राशन कार्ड सत्यापन व अतिक्रमण से संबंधित कुल 11 शिकायते प्राप्त हुई जिनमे से 8 का मौके पर ही निस्तारण करवाया गया शेष आवेदनो पर जाँच कर नियम अनुसार अग्रिम कार्यवाही किये जाने के निर्देश संबंधित कार्मिको को दिए गए।

निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर किसानों को मिलेगा अनुदान:- जिला उद्यान अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने जनपद के समस्त आलू उत्पादक कृषकों को सूचित किया है कि निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर भण्डारण प्रभार में छूट/अनुदान प्रदान किए जाने हेतु शासन द्वारा योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य आलू उत्पादक किसानों को आर्थिक राहत प्रदान करना तथा भण्डारण को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत निजी शीतगृहों में भण्डारित आलू पर 100 प्रति कुंतल की दर से अनुदान दिया जाएगा। प्रत्येक कृषक को अधिकतम 20,000 तक का अनुदान देय होगा। योजना का लाभ उन सभी आलू उत्पादक किसानों को मिलेगा

जिन्होंने अपने आलू का भण्डारण जनपद के निजी शीतगृहों में कराया है। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि योजना के अंतर्गत अधिकतम अनुमन्य क्षेत्रफल 2.0 हेक्टेयर तथा अधिकतम अनुमन्य मात्रा 200 कुंतल प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है। आलू रोपित क्षेत्रफल का निर्धारण नवीनतम खतौनी/खसरा के आधार पर तथा भण्डारित आलू की मात्रा का निर्धारण शीतगृह द्वारा निर्गत तौल पर्ची के आधार पर किया जाएगा। अनुदान प्राप्त करने के लिए शीतगृह से आलू निकासी एवं भण्डारण प्रभार के भुगतान से संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि योजना के लिए आवेदन विभागीय पोर्टल https://potato.uphorticulture.in पर ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन के साथ फोटोयुक्त वैध पहचान पत्र, आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा रोपित क्षेत्रफल से संबंधित खसरा/खतौनी की प्रति संलग्न करना आवश्यक होगा। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। पोर्टल संबंधी किसी भी समस्या अथवा अधिक जानकारी के लिए किसान कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, विकास भवन, कक्ष संख्या-206, द्वितीय तल, जोया रोड, अमरोहा में संपर्क कर सकते हैं।

दस वर्षीय बच्चे के लापता होने के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ किया केस दर्ज

रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना रजबपुर पुलिस ने क्षेत्र में एक 10 वर्षीय मासूम के लापता होने के मामले में अज्ञात के खिलाफ बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने इस कार्यवाही को परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर किया है और मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बता दें कि इस मामले परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में बताया गया है कि 29 अगस्त,

2026 को शाम करीब 4 बजे बालक घर से खेलने के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका।परिवार ने आशंका जताई है कि उनके बेटे को कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। पीड़ित परिवार ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद 30 अगस्त को अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।इस संबंध में रजबपुर थाना प्रभारी विकास कुमार सहरावत ने जानकारी दी कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही 10 वर्षीय बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

गंगा धाम तिगरी में गंगा का जलस्तर 10 सेंमी बढ़ा,आसपास के क्षेत्रों में पानी का ग्राफ बढ़ा, किसानों को भी नुकसान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला के गंगा धाम तिगरी में गंगा का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है। इस बार गंगा के जल स्तर ने अपने ग्राफ में 10 सेंमी की बढ़ोतरी की है। सोमवार को तिगरी का जल स्तर 200.30 सेंमी दर्ज किया गया था जबकि एक दिन पहले 200.20 सेंटीमीटर दर्ज किया गया था। बता दें कि पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण अमरोहा में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया है। सोमवार को तिगरी गंगा का जलस्तर 200.30 सेंटीमीटर दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले यह 200.20 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया था।जलस्तर बढ़ने से तिगरी गंगा घाट

पर पानी भर गया है और पुरोहितों की झोपड़ियां डूब गई हैं। इसके अलावा, गांव ओसीताजगदेपुर में खेतों में चार-चार फीट तक पानी जमा हो गया है।दरअसल, पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही मूसलाधार बारिश का असर मैदानी इलाकों में दिख रहा है। हरिद्वार बैराज से सोमवार को 86697 क्यूसेक और बिजनौर बैराज से 65709 क्यूसेक पानी गंगा नदी में छोड़ा गया।जलस्तर बढ़ने के कारण चार गांवों के किसानों की सैकड़ों बीघा फसल पानी में डूब गई है। ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा लाने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसान पानी में घुसकर अपनी फसल काट रहे हैं।इस संबंध में बाढ़ खंड तिगरी के जेई सुभाष कुमार ने बताया कि गंगा का जलस्तर पिछले कई दिनों से घट-बढ़ रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि गंगा अभी खतरे के निशान से काफी दूर है और बाढ़ जैसी स्थितियों से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सीएम योगी से मिले हसनपुर विधायक महेंद्र खड़गवंशी, लिया आशीर्वाद

अमरोहा/लखनऊ (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने सोमवार को लखनऊ स्थित पंच कालीदास मार्ग मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आत्मीय भेंट की। इस दौरान उनके साथ उनके बड़े पुत्र क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़गवंशी और छोटे पुत्र निखिल खड़गवंशी मौजूद रहे। भेंट के दौरान विधायक ने हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न

विषयों पर मुख्यमंत्री से चर्चा कर मार्गदर्शन प्राप्त किया। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री के सुशासन, विकास और जनसेवा के संकल्प को साकार करने की दिशा में हसनपुर विधानसभा क्षेत्र निरंतर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री का स्नेह और आशीर्वाद सदैव नई ऊर्जा प्रदान करता है।

अवैध मिट्टी खनन पर प्रशासन की कार्रवाई, जेसीबी और दो डंपर सीज

कैला देवी/सम्भल(सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन एवं जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ अभियान लगातार प्रभावी रूप से चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार तड़के खनन विभाग की टीम ने थाना कैलादेवी थाना क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन और परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई की। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने सोमवार को तड़के करीब 02:00 बजे थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध मिट्टी खनन एवं परिवहन में प्रयुक्त एक जेसीबी मशीन और दो डंपर पकड़ लिए। इसके बाद तीनों वाहनों को थाना कैलादेवी में सीज करा दिया गया। प्रशासन की कार्रवाई से अवैध खनन में संलिप्त लोगों में खलबली मच गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनपद में बिना अनुमति अथवा नियमों के विपरीत खनन, खनिजों के अवैध परिवहन और भंडारण को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि जनपद सम्भल में अवैध खनन के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

तीन शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की बाइक व दो चेसिस बरामद

बाइक के पार्ट्स निकालकर सस्ते दामों में बेचते थे आरोपी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के बीबीनगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल, चोरी की दो मोटरसाइकिलों के चेसिस तथा एक अवैध असलहा और जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर गुलाब नगर तिराहे के पास घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कपिल शर्मा, गौरव उर्फ सन्नी उर्फ भूरा और सन्नी, निवासी ग्राम अहमदानगर, थाना बीबीनगर के रूप में हुई है। बरामद HF Deluxe मोटरसाइकिल UP81-BL-1432 थाना खुर्जा नगर क्षेत्र के ग्राम मुण्डाखेड़ा स्थित शिव मंदिर से 18 जून 2026 को चोरी की गई थी। इसके अलावा TVS Sport UP15-EJ-3152 का चेसिस थाना गुलावठी क्षेत्र के सैदपुर फ्लाईओवर के नीचे से 9 जनवरी 2026 को चोरी किया गया था। वहीं Splendor Plus UP13-CB-3136 का चेसिस थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के काला आम से 20 जुलाई 2026 को चोरी किया गया था। पुलिस के मुताबिक आरोपी मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद उनके पार्ट्स निकालकर सस्ते दामों में बेचते थे और इससे आर्थिक लाभ कमाते थे। आरोपियों के खिलाफ खुर्जा नगर, गुलावठी, कोतवाली नगर और बीबीनगर थाने में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीबीनगर थाने में मुकदमा संख्या 238/26, धारा 317(2)/ 317 (5)/ 3(5) बीएनएस एवं 3/25 शस्त्र अधिनियम के तहत कार्रवाई की है।

गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष हिमांशु चौधरी, उपनिरीक्षक ऋषि कुमार, हेड कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह, कांस्टेबल विवेक कुमार, रिजर्व कांस्टेबल राहुल कुमार और कांस्टेबल सन्दीप सिंह शामिल रहे।

12 सितंबर को होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, अधिकाधिक वादों के निस्तारण पर जोर

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल द्वारा 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार और अधिक से अधिक वादकारियों को इसका लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सम्भल स्थित चन्दौसी ने अपने विश्राम कक्ष में जिला सूचना अधिकारी एवं मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में प्रभारी सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन वादों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर त्वरित एवं सफलतापूर्वक निस्तारण कराया जा सकता है। लोक अदालत में मामलों के निस्तारण से पक्षकारों के समय और धन की बचत होती है तथा आपसी सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने जिला सूचना अधिकारी एवं उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से राष्ट्रीय लोक अदालत का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक लोग इसकी जानकारी प्राप्त कर अपने वादों का सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण करा सकें। बैठक में जिला सूचना अधिकारी ब्रजेश कुमार सहित मीडिया प्रतिनिधि संजू यादव, रामवीर सिंह चौहान, रिंकु चौहान, महेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। यह जानकारी प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सम्भल स्थित चन्दौसी द्वारा दी गई।

खेत के रास्ते में भाई-बहन से मारपीट के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

धनारी/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र के ग्राम अफजलपुर में खेत पर जा रहे भाई-बहन को रास्ते में रोककर लाठी-डंडों और धारदार हथियार से मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ग्राम अफजलपुर निवासी जयदयाल पुत्र भायसिंह ने थाना धनारी पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 10 अगस्त को उसके पुत्र और पुत्री खेत पर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में अभियुक्तगण ने उन्हें रोक लिया और लाठी-डंडों व धारदार हथियार से उनके साथ मारपीट की। आरोप है कि घटना के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना धनारी पुलिस ने मामले में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। सोमवार को थाना धनारी पुलिस टीम ने मामले में वांछित अभियुक्त हरिओम पुत्र राजपाल, उम्र 28 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका और उनकी गिरफ्तारी को लेकर भी पुलिस की कार्रवाई जारी है।

आलू किसानों को बाजार भाव गिरने पर मिलेगी आर्थिक राहत, भंडारण शुल्क पर भी अनुदान

करीब 20 हजार आलू उत्पादक किसानों को योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद, ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के आलू उत्पादक किसानों के हित में सरकार की ओर से महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य बाजार भाव में गिरावट के कारण किसानों को होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के साथ ही आलू के सुरक्षित भंडारण और गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जिला उद्यान विभाग के अनुसार जनपद के करीब 20 हजार आलू उत्पादक किसानों को इन योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। जिला उद्यान अधिकारी सम्भल ने बताया कि सरकार की भामाशाह भाव स्थिरता कोष योजना के तहत आलू का बाजार भाव गिरने पर पात्र किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए भाव स्थिरता कोष बनाया गया है। योजना के तहत एक किसान को अधिकतम दो हेक्टेयर क्षेत्रफल तथा प्रति हेक्टेयर अधिकतम 200 कुंतल आलू तक का लाभ दिए जाने का प्रावधान है। बाजार में अचानक आलू की कीमतों में गिरावट आने की स्थिति में यह योजना किसानों को आर्थिक राहत देने में सहायक होगी। इसी तरह आलू भंडारण शुल्क अनुदान योजना के तहत निजी शीतगृहों में आलू रखने वाले किसानों को भंडारण शुल्क में सहायता प्रदान की जाएगी। किसानों को अधिकतम 100 रुपये प्रति कुंतल की दर से अनुदान मिलेगा। एक किसान को इस योजना के तहत अधिकतम 20 हजार रुपये तक की सहायता दिए जाने का प्रावधान है। योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को Potato. uphorti culture.in पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के दौरान मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, बैंक पासबुक, खतौनी, खसरा, कोल्ड स्टोरेज की भंडारण रसीद, निकासी रसीद, गेटपास रसीद, कोल्ड स्टोर किराया रसीद तथा आलू की बिक्री से संबंधित आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसान आवेदन के साथ सभी आवश्यक प्रपत्रों की हार्ड कॉपी संबंधित कार्यालय में उपलब्ध कराएंगे। स्वीकृत अनुदान की धनराशि किसान के आधार से जुड़े बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से सीधे भेजी जाएगी। जिला उद्यान अधिकारी ने किसानों से अपील की है कि वे समय से ऑनलाइन आवेदन कर सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए मौ. आमिर (सहा0उ0नि0) के मोबाइल नंबर 9411274455 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा किसान जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, बीएनएस शुगर मिल्स के सामने, ग्राम मझावली, चन्दौसी-बहजोई रोड, सम्भल में भी संपर्क कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने सोमवार को सम्भल के शहजादी सराय स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में ईवीएम एवं वीवीपैट की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की साफ-सफाई, अग्निशामक यंत्रों, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों तथा लॉग बुक सहित अन्य व्यवस्थाओं को चेक किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को व्यवस्थाओं को दुरुस्त बनाए रखने तथा सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन सुनिश्चित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाओं को नियमित रूप से जांचते रहने पर भी जोर दिया, ताकि ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द, एसओसी चकबंदी अजय कुमार वर्मा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पानी मांगने के बहाने लूटने वाले नागा साधु वेशधारी 2 अंतरराज्यीय लुटेरे गिरफ्तार

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- हाईवे पर साधु का वेश धरकर यात्रियों को डरा-धमकाकर लूटने वाले गिरोह का नजीबाबाद पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने हरिद्वार निवासी जहांगीर और गुरविंदर को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे गए शत-प्रतिशत जेवरात और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 28 अगस्त को नजीबाबाद-कोटद्वार बायपास पर आरोपियों ने उत्तराखंड निवासी दंपती से पानी व दो रुपये मांगने के बहाने कार रुकवाई। इसके बाद भस्म करने और अकाल मृत्यु का भय दिखाकर महिला के मंगलसूत्र, चेन व अंगूठियां उतरवा लीं।

कार के डैशकैम व सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। यह गिरोह यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा और दिल्ली में भी इस तरह की कई वारदातें कर चुका है। पुलिस अब आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

अकबरपुर गांव में सफाई व्यवस्था बदहाल, कीचड़ और जलभराव से ग्रामीण परेशान

बरसात में गलियों से निकलना हुआ दुश्वार, बीमारियों के खतरे ने बढ़ाई चिंता

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के विकासखंड बहजोई क्षेत्र के गांव अकबरपुर में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई नजर आ रही है। गांव की गलियों और रास्तों पर जगह-जगह कीचड़ एवं जलभराव होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी गलियों में जमा रहता है और कई स्थानों पर कीचड़ के चलते पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीणों के मुताबिक गांव में लंबे समय से नियमित रूप से सफाई नहीं कराई जा रही है। आरोप है कि काफी समय से कोई सफाईकर्मी गांव में सफाई करने के लिए नहीं पहुंचा है। इसके चलते नालियों में गंदगी जमा होने के साथ-साथ रास्तों पर भी कूड़ा-कचरा और गंदा पानी फैला हुआ है। बरसात होने पर यही गंदगी कीचड़ में तब्दील हो जाती है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है। ग्रामीणों ने बताया कि कई जगह नालियां गंदगी से अटी पड़ी हैं और पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। इससे डेंगू, मलेरिया सहित अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका को लेकर ग्रामीण चिंतित हैं। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के दिनों में गांव की स्थिति और खराब हो जाती है। गलियों में घुटनों तक पानी और कीचड़ होने के कारण जरूरी काम से घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता है। कई बार ग्रामीणों को पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। लोगों का आरोप है कि समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन संबंधित जिम्मेदारों की ओर से प्रभावी सफाई व्यवस्था नहीं कराई जा रही है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से गांव में तत्काल सफाई अभियान चलाने, नालियों की सफाई कराने और जलभराव वाले स्थानों पर पानी की निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आने वाले दिनों में गंदगी और जलभराव के कारण बीमारी फैलने का खतरा और बढ़ सकता है। लोगों ने प्रशासन से नियमित रूप से सफाईकर्मी भेजे जाने और गांव की सफाई व्यवस्था की निगरानी कराने की भी मांग की है। इस समस्या को लेकर जब सचिव से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया

डीपीआरओ संभल ग्रीस कुमार से इस संबंध में जब बात की गई तो उन्होंने बताया मामला अब मेरे संज्ञान में आया है टीम गठित कर मामले को दिखवाया जाएगा जल्द सफाई करा दी जाएगी

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने सपा के पीडीए को बताया छलावा, 2027 चुनाव का किया आह्वान

एजेंसी

वाराणसी। पिंडरा विधानसभा क्षेत्र के भानपुर में भाजपा नेता रविशंकर सिंह की ओर से आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में पहुंचे भाजपा के काशी क्षेत्रीय अध्यक्ष अशोक चौरसिया ने कार्यकताओं से 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं और बूथ स्तर पर उनकी सक्रियता ही पार्टी की मजबूती का आधार है। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए अशोक चौरसिया ने समाजवादी पार्टी के पीडीए फामूर्ले को छलावा बताया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव समय-समय पर पीडीए की परिभाषा बदलते रहे हैं। कभी इसमें ब्राह्मणों को प्रमुखता दी जाती है तो कभी पिछड़ों को, आगे भी यह फामूर्ला बदल सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के पास अपना कोई ठोस मुद्दा नहीं है और जनता उसके शासनकाल को देख चुकी है। उन्होंने दावा किया कि जनता का विश्वास भाजपा के साथ है और 2027 में उत्तर प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी। वाराणसी की सभी विधानसभा सीटों पर भाजपा की जीत का भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी चुनाव में पूरी मजबूती के साथ उतरेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है और बूथ स्तर पर मेहनत करने वाला कार्यकर्ता संगठन में उच्च पद तक पहुंच सकता है। अमित शाह का उदाहरण देते हुए उन्होंने कार्यकताओं का उत्साह बढ़ाया। करीब एक घंटे तक चले संवाद कार्यक्रम में उन्होंने चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन, मतदाता सूची की निगरानी और संगठन को मजबूत करने सहित विभिन्न विषयों पर कार्यकताओं को दिशा-निर्देश दिए। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सक्रियता बढ़ाने को कहा। भाजपा जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल ने कहा कि उन्होंने 1993 से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम किया है और पार्टी ने उन्हें वाराणसी का जिलाध्यक्ष बनाकर बड़ी जिम्मेदारी दी है। उन्होंने कार्यकताओं से ईमानदारी से चुनाव की तैयारी में जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि एक बार फिर भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। कार्यक्रम के आयोजक भाजपा नेता रविशंकर सिंह ने मुख्य अतिथि अशोक चौरसिया और अन्य अतिथियों का अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर स्वागत-सम्मान किया।

विदेशों में नौकरी के लिए युवाओं को मिलेगी स्पेशल स्किल और लैंग्वेज ट्रेनिंग, सीएम धामी के निर्देश

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी, इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम एवं जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने भेंट की। इस दौरान संबंधित देशों में रोजगार की संभावनाओं, कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता तथा उत्तराखंड के युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन देशों में जिन क्षेत्रों में रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं और जहां कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है, उनकी जानकारी प्राप्त करने के लिए संबंधित भारतीय मिशनों के साथ नियमित समन्वय रखा जाए। उन्होंने कहा कि विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों और वहां की आवश्यकता के अनुरूप राज्य के युवाओं को कौशल एवं आवश्यक भाषा प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे उन्हें वैश्विक स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में होम स्टे के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हुए हैं। विभिन्न देशों से आने वाले प्रतिनिधिमंडलों को राज्य के होम स्टे मॉडल से परिचित कराने के लिए होम स्टे का भ्रमण कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फार्मा, उद्योग, आयुर्वेद और वेलनेस के क्षेत्र में उत्तराखंड में अनेक संभावनाएं हैं। इन क्षेत्रों में राज्य की विशेषताओं और संभावनाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की दिशा में भी प्रभावी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कमी नहीं है। उन्हें वैश्विक

मांग के अनुरूप आवश्यक कौशल और प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न देशों में कुशल मानव संसाधन की मांग और रोजगार की संभावनाओं का आकलन करते हुए युवाओं के प्रशिक्षण के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जाम्बिया में भारत के उच्चायुक्त आलोक रंजन झा ने कहा कि जाम्बिया में कुशल मानव संसाधन की व्यापक आवश्यकता है। शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में वहां कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जाम्बिया में जिन क्षेत्रों में कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता है, उनके संबंध में राज्य सरकार को विस्तृत नोट उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने इस दिशा में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। जमैका में भारत के उच्चायुक्त मयंक जोशी ने कहा कि जमैका में पर्यटन, स्वास्थ्य सेवा और कृषि के क्षेत्र में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। विशेष रूप से नर्सिंग के क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग है। इन क्षेत्रों की आवश्यकता के अनुरूप युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा सकता है। इथियोपिया में भारत के राजदूत देवेश उत्तम ने कहा कि इथियोपिया में प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में कार्य करने की अनेक संभावनाएं हैं। फार्मास्युटिकल और फ्लोरीकल्चर के क्षेत्र में भी वहां बेहतर अवसर उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों का लाभ उत्तराखंड के युवाओं को मिले, इसके लिए संबंधित देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय मिशनों के साथ समन्वय बनाकर विदेशों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की जानकारी युवाओं तक पहुंचाने तथा उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सुनियोजित तरीके से कार्य किया जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आरके सुधांशु एवं सचिव विनय शंकर पांडेय उपस्थित थे।

उत्तराखंड में 26 अल्पसंख्यक संस्थानों को मिलेगी मान्यता, दो सितंबर को सीएम धामी सौंपेंगे प्रमाण पत्र

देहरादून। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण से पंजीकृत और शिक्षा विभाग से मान्यता लेने वाले मदरसे एवं अन्य शिक्षा संस्थानों को दो सितंबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थान की मान्यता प्रमाण पत्र सौंपेंगे। उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के चेयरमैन डा. सुरजीत सिंह गांधी ने इसकी पुष्टि की। प्राधिकरण ने एक जुलाई, 2026 को पहले दिन ही मुख्यमंत्री ने हाथों सात मदरसों समेत नौ अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को मान्यता प्रमाण पत्र सौंपे थे। अब दो सितंबर को 26 और मदरसों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मान्यता प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे। इसके अलावा 25 पंजीकृत मदरसों को मान्यता अक्टूबर तक दे दी जाएगी। इसके अलावा 200 मदरसों ने शिक्षा विभाग से मान्यता के लिए इनवेस्ट पोर्टल पर आवेदन किया है। चंदा और संदिग्ध फंडिंग बंद होना सबसे बड़ी वजह समाज कल्याण, शिक्षा विभाग एवं अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के सदस्यों की ओर से सभी जनपदों में चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम में यह बात सामने आई है कि एक धर्म के ठेकेदारों को डर है कि यदि मदरसों में पढ़ने वाले गरीब बच्चे आधुनिक शिक्षा लेकर जागरूक हो गए, तो मदरसों के नाम पर आने वाला चंदा और संदिग्ध फंडिंग हमेशा के लिए बंद हो जाएगी। यही कारण है कि प्राधिकरण के गठन के खिलाफ अदालतों में याचिकाओं की बाड़ लगा दी गई। नौ अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थानों को एक जुलाई को मिले प्रमाण पत्र यक्ष प्रश्न यह है कि इन अवैध मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को मिलने वाली मार्कशीट की कानूनी वैधता क्या होगी। अपनी निजी दुकानदारी और राजनीतिक रसूख बचाए रखने के लिए कट्टरपंथियों ने हजारों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ अभी भी बंद नहीं किया है। अवैध मदरसों की डिग्री की कानूनी वैधता नहीं सरकार का कहना है कि मदरसों के बच्चों को भी आधुनिक शिक्षा के समान अवसर मिलना चाहिए। प्राधिकरण के गठन का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में समानता लाना और विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य के लिए तैयार करना है।

कार-डंपर की आमने-सामने भीषण भिड़ंत में भाई-बहन की मौत, बदरीनाथ हाईवे पर हादसा

ऋषिकेश। बदरीनाथ हाईवे पर सड़क दुर्घटना में कार सवार भाई और बहन की मौत हो गई। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए है, उनका एम्स में उपचार चल रहा है। प्रभारी निरीक्षक मुनिकीरेती प्रदीप चौहान ने बताया कि हाईवे पर मालाकुंठी के समीप कार और डंपर की आमने-सामने की टक्कर हुई है। श्रीनगर की तरफ जा रहे थे कार सवार स्विफ्ट कार में सवार चार लोग ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर जा रहे थे। श्रीनगर की ओर से डंपर आ रहा था। मोड के पास कार और डंपर की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार डंपर के नीचे घुस गई। सूचना पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। हादसे में भाई और बहन की मौके पर ही मौत दुर्घटना में कार चालक ऋषभ सेमवाल और उनके बगल की सीट पर बैठी बहन रक्षा सेमवाल निवासी डांग, श्रीनगर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पीछे की सीट पर बैठे दो लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एम्स में भर्ती कराया गया। उनका नाम, पता पुलिस जुटा रही है। मृतकों के पिता सिंचाई विभाग में प्रशासनिक अधिकारी बताया गया कि मृतकों के पिता सिंचाई विभाग में प्रशासनिक अधिकारी हैं। रक्षा कीर्तिनगर के अस्पताल में लैब टेक्निशियन थी। ऋषभ सिंचाई विभाग में एक जेई के साथ अस्थाई तौर पर काम करता था। स्वजन को सूचना दे दी गई है।

सीएम धामी ने दिया 6.50 लाख महिलाओं को तोहफा, रोडवेज बस में मुफ्त यात्रा; लखपति दीदी अब बनेगी उद्यमी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रक्षाबंधन के अवसर पर 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए उत्तराखंड रोडवेज की बसों में निश्शुल्क यात्रा की घोषणा की है। इसका लाभ प्रदेश की साढ़े छह लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा। योजना से विशेष रूप से पर्वतीय और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं को राहत मिलेगी। धामी सरकार इससे पहले भी महिला सशक्तीकरण को लेकर कई योजनाएं लागू कर चुकी है। सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण, लखपति दीदी, एकल महिला स्वरोजगार और महालक्ष्मी किट जैसी योजनाओं के माध्यम से

महिलाओं को आर्थिक व सामाजिक रूप से मजबूत करने का प्रयास किया गया है। पिंक ई-बस और हाईटेक टायलेट के जरिए महिलाओं की सुरक्षा शहरी क्षेत्रों में महिलाओं को सुरक्षित एवं आरामदायक परिवहन सुविधा देने के लिए प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत देहरादून में 10 पिंक ई-बसें महिलाओं को समर्पित करने की घोषणा की गई है। लखपति दीदी अब बनेगी उद्यमी लखपति दीदी योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी तीन लाख से अधिक महिलाओं की वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। अब महिला स्वरोजगार योजना में रियायती बैंक ऋण की सीमा दो लाख से बढ़ाकर ढाई लाख रुपये की जाएगी। सशक्तीकरण से गरिमा तक सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के बाद सरकारी सेवाओं में उनका प्रतिनिधित्व बढ़ा है। महिलाओं की सुविधा और गरिमा को ध्यान में रखते हुए प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर आधुनिक हाईटेक टायलेट बनाने की भी घोषणा की गई है।

खरगे शुद्धिकरण विवाद: देहरादून में कांग्रेस करेगी बड़ा प्रदर्शन, कुमारी सैलजा भी होंगी शामिल

देहरादून। हल्द्वानी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद मंच के शुद्धिकरण के मामले में उपजे घटनाक्रम को लेकर पार्टी हाईकमान सक्रिय है। इस प्रकरण को लेकर कांग्रेस सितंबर के पहले सप्ताह में देहरादून में बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित करेगी। इसमें उत्तराखंड प्रभारी व सांसद कुमारी सैलजा के भी शामिल होंगी। कांग्रेस की उत्तराखंड प्रभारी एवं सांसद कुमारी सैलजा ने दिल्ली में रविवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल और चुनाव प्रचार अभियान प्रभारी विधायक प्रीतम सिंह से पूरे प्रकरण पर फीडबैक लिया। उन्होंने अब तक पार्टी की ओर से उठाए गए कदमों और आगे की रणनीति की भी जानकारी ली। दोनों नेता रविवार को दिल्ली पहुंचे। उत्तराखंड प्रभारी सैलजा ने लिया फीडबैक कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश प्रभारी को हल्द्वानी में हुई घटना से लेकर पार्टी की ओर से भाजपा के खिलाफ अपनाए गए रुख और प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। कांग्रेस इस प्रकरण को राजनीतिक और सामाजिक रूप से गंभीर मुद्दा बताते हुए इसे जनता के बीच ले जाने की तैयारी कर रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रदेश प्रभारी ने नेताओं से संगठन स्तर पर की जा रही तैयारियों और आंदोलन को लेकर भी चर्चा की। कांग्रेस का प्रयास है कि इस मुद्दे पर पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं को एकजुट कर सरकार व भाजपा के खिलाफ विरोध दर्ज कराया जाए। सितंबर पहले सप्ताह देहरादून में सभा करेगी कांग्रेस खरगे प्रकरण को लेकर कांग्रेस सितंबर के पहले सप्ताह में देहरादून में बड़ा विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। पार्टी इस मुद्दे पर मुखर है। इस कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा के साथ केंद्रीय नेता भी शामिल हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि इसके बाद हल्द्वानी में भी इसी प्रकार का प्रदर्शन आयोजित किया जा सकता है। इसमें पार्टी के शीर्ष केंद्रीय नेता शामिल हो सकते हैं।

चाय पर राहुल गांधी पर बरसे सीएम धामी, बोले - 'कप डिस्पोजेबल हो सकता है, लेकिन सोच नहीं'

खटीमा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने खटीमा दौरे के दौरान एक स्थानीय दुकान पर आम लोगों के साथ डिस्पोजेबल कप में चाय की चुस्कियां लीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जाति संबंधी बयानों पर तीखा हमला बोला और इसे संकीर्ण राजनीति की पराकाष्ठा करार दिया। चाय पर चर्चा के दौरान स्थानीय लोगों से आत्मीय बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी की मानसिकता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ बैठकर चाय पीते हुए मुझे चाय का स्वाद और लोगों का

अपनापन तो साफ दिखाई दिया, लेकिन कहीं भी कोई जाति नजर नहीं आई। राहुल गांधी द्वारा चाय के कप में भी जाति और भेदभाव तलाशना संकीर्ण राजनीति की पराकाष्ठा है। कप डिस्पोजेबल हो सकता है, लेकिन सोच इतनी डिस्पोजेबल नहीं होनी चाहिए कि चाय में भी जाति और राजनीति ढूंढ ली जाए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड की देवतुल्य संस्कृति हमेशा से सामाजिक समरसता, भाईचारे और आपसी अपनत्व की प्रतीक रही है।

यहां समाज को बांटने के बजाय जोड़ने की राजनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सीएम ने स्पष्ट किया कि हर विषय में राजनीति और जाति ढूंढना तथा समाज में विभाजन पैदा करना किसी भी सूरत में देशहित में नहीं है। खटीमा में मुख्यमंत्री का यह सादगी भरा अंदाज और आम लोगों के बीच चाय की दुकान पर बैठकर संवाद करना स्थानीय लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा।

देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर चलती बस के टायर में लगी आग, यात्रियों में मची चीख पुकार चालक की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

देहरादून। आईएसबीटी देहरादून से दिल्ली के लिए निकली उत्तराखंड परिवहन निगम की बस के टायर में आग लगने से सोमवार सुबह यात्रियों की सांसें अटक गईं। शाकुंभरी चौक के आगे देहरादून-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर चलती बस के एक टायर से अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते टायर में आग लग गई। चालक ने तत्काल बस रोक दी और परिचालक के साथ यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। समय रहते बस रुकने से बड़ा हादसा टल गया। बस संख्या यूके 07 पीए 5202 सोमवार सुबह करीब छह बजे आईएसबीटी देहरादून से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यात्रियों के अनुसार, बस शुरूआत से ही सामान्य गति से नहीं चल रही थी। करीब एक घंटे बाद, सात बजे के आसपास शाकुंभरी चौक से थोड़ा आगे एक्सप्रेसवे पर पहुंचते ही बस के टायर से धुआं निकलने लगा। देहरादून से दिल्ली जा रही बस में शाकुंभरी चौक के आगे हादसा यात्रियों को जैसे ही इसकी भनक लगी, बस में अफरा-तफरी मच गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद यात्रियों को तत्काल नीचे उतारा गया। जांच करने पर एक टायर में आग लगी मिली। यात्रियों के बस से उतर जाने के कारण किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एक घंटे में खुल गई बस की फिटनेस की पोल बस में आग लगने की घटना ने रोडवेज की बसों की फिटनेस जांच पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यात्रियों का कहना है कि बस आईएसबीटी से निकलने के बाद से ही धीमी गति से चल रही थी। ऐसे में सवाल उठता है कि लंबी दूरी की यात्रा पर रवाना करने से पहले बस की तकनीकी जांच कितनी गंभीरता से की गई थी। टायर जैसी महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था में खराबी का सड़क पर चलते समय सामने आना किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता था। खासकर एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार यातायात के बीच यदि चालक को समय पर धुआं दिखाई नहीं देता या बस समय रहते नहीं रुकती तो स्थिति भयावह हो सकती थी। दूसरी बस से यात्रियों को भेजा गया दिल्ली हादसे के बाद यात्रियों को सड़क पर ही इंतजार करना पड़ा।

उत्तराखंड के दुर्गम क्षेत्रों में जनगणना: 182 कार्मिक संभालेंगे 131 गांवों की जिम्मेदारी

देहरादून। उत्तराखंड के हिमाच्छादित और दुर्गम क्षेत्रों में जनगणना का विशेष चरण मंगलवार से शुरू होगा। चमोली, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ के 131 हिमाच्छादित गांवों के साथ बदरीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री नगर पंचायत क्षेत्रों में जनगणनाकर्मी घर-घर पहुंचकर आंकड़े जुटाएंगे। सीमित अवधि में कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच कार्य पूरा करने के लिए 139 प्रगणक और 43 पर्यवेक्षकों समेत 182 कार्मिकों को प्रशिक्षित कर तैनात किया गया है। जनगणना निदेशालय के अनुसार विशेष अभियान में चमोली की बदरीनाथ नगर पंचायत के 23, रुद्रप्रयाग के तहत केदारनाथ नगर पंचायत के चार, उत्तरकाशी की गंगोत्री नगर पंचायत के 69 और पिथौरागढ़ के 35 हिमाच्छादित गांव

शामिल हैं। अभियान के सुचारू संचालन के लिए संबंधित जिला प्रशासन और स्थानीय निकायों के साथ समन्वय किया गया है। इन क्षेत्रों में मौसम और भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए जनगणनाकर्मियों के लिए विशेष स्तर पर तैयारी की गई है। जनगणना के लिए उत्तरकाशी में 87 प्रगणक और 23 पर्यवेक्षक लगाए गए हैं। चमोली में 28 प्रगणक व 10 पर्यवेक्षक, पिथौरागढ़ में 18 प्रगणक व चार पर्यवेक्षक तथा रुद्रप्रयाग में छह प्रगणक व छह पर्यवेक्षक जिम्मेदारी संभालेंगे। ये कार्मिक डिजिटल माध्यम से आंकड़े दर्ज करने, गणना क्षेत्र की पहचान तथा सूचनाओं की शुद्धता और गोपनीयता बनाए रखने का कार्य करेंगे। 338 नागरिकों ने कराया स्व-गणना पंजीकरण जनगणना निदेशालय के अनुसार 31 अगस्त तक 338 नागरिक स्व-गणना के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज करा चुके हैं। इनमें उत्तरकाशी के 277, चमोली के 29, पिथौरागढ़ के 24 और रुद्रप्रयाग के आठ नागरिक शामिल हैं। सावधान रहें जनता, नहीं मांगा जाएगा ओटीपी निदेशालय ने नागरिकों को यह भी स्पष्ट किया गया है कि जनगणना के दौरान किसी से ओटीपी नहीं मांगा जाएगा। ऐसे में किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी अथवा वित्तीय जानकारी साझा न करने की सलाह दी गई है।

निदेशक जनगणना ईवा आशीष श्रीवास्ता ने नागरिकों से जनगणनाकर्मियों को आवश्यक सहयोग देने की अपील की है। जनगणना से संबंधित सहायता के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन 1855 पर संपर्क किया जा सकता है।

देहरादून में मूसलाधार बारिश से आफत: मालदेवता में सड़क बही, घरों में घुसा पानी; कई गांव से संपर्क कटा

देहरादून। राजधानी देहरादून में लगातार दो दिन से हो रही भारी बारिश ने एक बार फिर पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक दुश्वारियां बढ़ा दी हैं। खासकर मालदेवता क्षेत्र में हालात बेहद चिंताजनक बने हुए हैं। नदियां और बरसाती नाले उफान पर हैं, जगह-जगह भूस्खलन हो रहा है और कई ग्रामीण मार्ग बारिश के तेज बहाव की भेंट चढ़ गए हैं। कई इलाकों में लोगों की आवाजाही प्रभावित होने से ग्रामीणों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। कई गांवों का संपर्क कटा, शहर में घरों में घुसा पानी मालदेवता से सौंदना गांव होते हुए निमार्णाधीन सांग बांध तक जाने वाली सड़क कुंड गांव के पास अत्यधिक बारिश के कारण बह गई। सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से हिंलासवाली, सौंदना, तौलियाकाटल, रगड़गांव, घुड़सवालगांव, शेरा, पसनी, कुंड और हल्द्वाड़ी समेत कई गांवों का संपर्क प्रभावित हो गया है। ग्रामीणों के सामने आवाजाही के साथ ही आवश्यक वस्तुओं और आपात स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की चुनौती खड़ी हो गई है। नदी के तेज बहाव के कारण ग्रामीण मार्ग बह गया सोडा सरोली क्षेत्र में नदी के तेज बहाव के कारण ग्रामीण मार्ग बह गया। मार्ग क्षतिग्रस्त होने से वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। लगातार बारिश के बीच ग्रामीण इलाकों में सड़क और पुल-पुलियों पर खतरा बढ़ता जा रहा है। कौलागढ़ में घरों में बारिश का पानी घुस आया। जबकि, मसंदावाला में जंगल से बरसाती नाले का पानी व मलबा आने से लोग घरों में कैद हो गए। जैंतानवाला में मकान पर मंडराया खतरा जैंतानवाला की ग्रामसभा दयानगर में भारी बारिश और टोंस नदी के बढ़े जलस्तर ने सुनीता उपाध्याय के मकान को भी खतरे में डाल दिया है। लगातार पानी बढ़ने से मकान पूरी तरह गिरने की कगार पर पहुंच गया है। स्थानीय लोगों में भय का माहौल है और प्रभावित परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिस्पना-बिंदाल समेत नदी-नालों में उफान बारिश का असर केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। रिस्पना और बिंदाल समेत शहर के तमाम नदी-नाले उफान पर हैं। इनके आसपास बसे क्षेत्रों में जलभराव और कटाव का खतरा बना हुआ है। कौलागढ़ में बारिश का पानी कई घरों में घुस गया, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

उत्तराखंड में आफत बनी बारिश: दून पानी-पानी, बागेश्वर में स्कूलों की छुट्टी; पिथौरागढ़ में पहाड़ दरकने से रास्ता बंद

देहरादून। सोमवार सुबह मौसम का मिजाज बदला हुआ रहा। देहरादून सदर समेत सभी तहसीलों में आसमान बादलों से ढका रहा। पहाड़ी क्षेत्रों में कोहरे ने भी दस्तक दी, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई। जिला प्रशासन की मौसम संबंधी सूचना के अनुसार, सदर, कालसी, ऋषिकेश, डोईवाला, विकासनगर और त्यूनी तहसीलों में बादल छाए रहे। वहीं चकराता तहसील और मसूरी थाना क्षेत्र में बादलों के साथ कोहरा भी रहा। पहाड़ी क्षेत्रों में कोहरे के कारण वाहन चालकों को सतर्कता बरतने

की जरूरत है। देहरादून में फिलहाल आपदा से संबंधित कोई असामान्य स्थिति सामने नहीं आई है। संबंधित अधिकारियों की ओर से जनपद में आपदा से जुड़ी स्थिति सामान्य होने की सूचना दी गई है। प्रशासन मौसम पर नजर बनाए हुए है। नैनीताल में कोहरा और बादल नैनीताल में बीती रात तेज बारिश का दौर रहा, घने बादल व कोहरा छाया रहा और अब सोमवार सुबह फिर से बारिश के आसार बन रहे हैं। नैनीताल में आधा दर्जन सड़कें बंद हैं। वहीं पिथौरागढ़ जिले में रात को वर्षा होने के बाद सुबह बादल छाए हुए हैं बोल्डर गिरने से रास्ता हुआ बंद। बागेश्वर में रात से बारिश, स्कूलों की छुट्टी बागेश्वर में रात से बारिश होने के कारण कई स्थानों पर सड़कें बंद हैं। स्कूल, कॉलेज बंद हैं। सड़कें बंद होने से जरूरी सेवाएं प्रभावित हुई हैं। दूध, अखबार के वाहन भी सड़क बंद होने से फंसे हुए हैं तो बिजली रात से गुल है। पिथौरागढ़ हरडिया में मलबा आने सी थल मुनस्यारी मार्ग बंद हो गया है और यहां वाहन फंसे हैं। रानीखेत व आसपास रातभर वर्षा होती रही, सुबह के समय बारिश थम गई है लेकिन आसमान घने बादलों से घिरा हुआ है।

छह पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त, पुलिस लाइन में भावभीनी विदाई

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद पुलिस में लंबे समय तक अपनी सेवाएं देने वाले छह पुलिसकर्मी सोमवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में विदाई समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शॉल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मानपूर्वक विदाई दी। एसएसपी ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के सेवाकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना करते हुए उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में सेवाकाल के दौरान उनके योगदान को सदैव सम्मान के साथ याद किया जाएगा। समारोह में क्षेत्राधिकारी नगर प्रखर पाण्डेय एवं प्रतिसार निरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सेवानिवृत्त होने वाले पुलिसकर्मी:उपनिरीक्षक कंवर पाल सिंह उपनिरीक्षक जयवीर सिंह मुख्य आरक्षी आशा राम त्यागी एफएसएसओ अवधेश सिंह फायरमैन गजेन्द्र कुमार शर्मा फालवर राजकुमार आदि मौजूद रहे।

नाली जाम होने से 25 दिन से जलमग्न हैं लहुरी सराय की गलियां

जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के अमौली ब्लॉक की ग्राम पंचायत सराय धरमपुर के लहुरी सराय गांव में नाली जाम होने से 25 दिनों से गलियों में जलभराव है। पानी घरों तक पहुंच गया है, जिससे आवागमन ठप है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रधान और ब्लॉक अधिकारियों से कई बार शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीण ऋषभ, मनोज और शिवम ने बताया कि पानी से घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने जल्द नाली सफाई की मांग की है, साथ ही चेतावनी दी है कि समाधान न हुआ तो ब्लॉक कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे।

नजीबाबाद में गोकशी की घटना से हड़कंप, पुलिस व पशु चिकित्सा टीम ने अवशेष कब्जे में लेकर शुरू की जांच

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- नगर की कछियाना बस्ती में गोकशी का मामला सामने आने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और पशु चिकित्सा विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अवशेषों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मिलते ही नजीबाबाद के उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस. एम. सिंह अपनी टीम–प्रवीण, अंकित, सुरेश और ऋतिक–के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीम ने मौके से अवशेषों के नमूने एकत्र कर फॉरेंसिक जांच के लिए प्रयोगशाला (मथुरा) भेज दिए हैं। डॉ. एस. एम. सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया बरामद अवशेष गाय के ही प्रतीत हो रहे हैं। मौके से गाय का सिर, खाल और कुछ अन्य अंग बरामद हुए हैं, जबकि शरीर का शेष हिस्सा गायब था। नमूनों को विस्तृत जांच के लिए मथुरा प्रयोगशाला भेजा गया है। नजीबाबाद थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि कछियाना बस्ती से गाय के अवशेष बरामद कर लिए गए हैं। मामले में अज्ञात/संबंधित आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) दर्ज की जा रही है और पुलिस ने गहनता से मामले की जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीओ जल निगम पर आय से अधिक संपत्ति और आपराधिक गतिविधियों के आरोप, जांच की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र के भाजपा बूथ अध्यक्ष अफजाल अहमद ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर जल निगम बरेली में तैनात एसडीओ अहसान के खिलाफ जांच की मांग की है। उन्होंने अहसान पर नौकरी से जुड़े शैक्षणिक प्रमाण पत्रों, आपराधिक इतिहास, आय से अधिक संपत्ति और कथित अपराधों में संलिप्तता की जांच कराने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में कई मुकदमों का हवाला देते हुए हरथला मुरादाबाद में कोठी, देहरादून में प्लॉट और कई वाहन सहित आय से अधिक संपत्ति होने के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही खनन और प्रॉपर्टी डीलिंग से जुड़े होने के भी आरोप लगाए गए हैं। अफजाल अहमद ने अपने और परिवार के खिलाफ दर्ज मुकदमा संख्या 71/2026 की निष्पक्ष जांच कराने की मांग भी की है। उन्होंने कहा कि मामले से संबंधित वीडियो क्लिप उनके पास सुरक्षित है। उन्होंने एसपी से प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

मेरठ में गरजे मकवाना, अब शक्ति प्रदर्शन जरूरी

20 सितंबर को मेरठ में होगा वाल्मीकि समाज का महासम्मेलन, अधिकारों के लिए आंदोलन तेज करने का ऐलान

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- मेरठ की क्रांति धरा से वाल्मीकि समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष की नई मशाल जलाने का आह्वान करते हुए राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा उत्तराखंड सरकार में सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि भाजपा से जुड़े होने के बावजूद समाज की समस्याओं को लेकर वे चुप नहीं बैठेंगे। आगामी 20 सितंबर को मेरठ में आयोजित होने वाले महासम्मेलन में वाल्मीकि समाज शक्ति प्रदर्शन करेगा और सरकार को अपनी एकजुटता का संदेश देगा।

रविवार को मेरठ के एक बैंक्वेट हॉल में राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के तत्वावधान में वाल्मीकि समाज की विभिन्न समस्याओं तथा प्रदेश स्तरीय वाल्मीकि सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आयोजित चिंतन बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए भगवत प्रसाद मकवाना ने कहा कि वाल्मीकि समाज सदियों से पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ भाजपा से जुड़ा रहा है, लेकिन सरकार में समाज को वह प्रतिनिधित्व और अधिकार नहीं मिल सके, जिसके वह हकदार है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति आरक्षण में उपवर्गीकरण के संबंध में दिए गए आदेश के बावजूद दो वर्ष बाद भी वर्गीकरण लागू नहीं हुआ है, जिससे समाज में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 80 विधानसभा क्षेत्रों में वाल्मीकि समाज को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। उन्होंने मांग की कि समाज को कम से कम 10 विधानसभा सीटों पर प्रतिनिधित्व दिया जाए, ताकि उसकी आवाज विधानसभा में मजबूती से उठाई जा सके। मकवाना ने कहा कि छोटे-छोटे समाजों को कई-कई राजनीतिक अवसर और मंत्री पद दिए जाते हैं, जबकि वाल्मीकि समाज को अपेक्षित राजनीतिक भागीदारी नहीं मिल रही है। उन्होंने सफाई कर्मचारियों की स्थिति का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सफाई कार्य से जुड़ी नौकरियों में आरक्षण का लाभ वास्तविक रूप से वाल्मीकि समाज के बेरोजगार युवाओं तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर अन्य वर्गों के लोगों की सफाई कर्मचारी के पदों पर नियुक्ति होने के बावजूद उनसे सफाई कार्य नहीं कराया जाता और वाल्मीकि समाज के बेरोजगार युवाओं से बेहद कम मानदेय पर काम कराया जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इस स्थिति की जानकारी होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने नगर पालिका, नगर पंचायत और नगर निगमों में आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों की स्थिति पर भी चिंता जताई। कहा कि हजारों सफाई कर्मचारियों के पद लंबे समय से रिक्त हैं, लेकिन नियमित भर्ती नहीं की जा रही है। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को 10 से 12 हजार रुपये प्रतिमाह में काम करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि संविदा एवं आउटसोर्सिंग पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए और ठेका प्रथा को हमेशा के लिए समाप्त किया जाए। मकवाना ने कहा कि अब समाज टॉफी-चॉकलेट से बहलने वाला नहीं है, बल्कि अपने अधिकार लेकर रहेगा। उन्होंने मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आगामी 20 सितंबर को मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित सुभाष चंद्र बोस सभागार में होने वाले महासम्मेलन को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महासम्मेलन में इतनी बड़ी संख्या में समाज के लोग पहुंचें कि मेरठ में हर ओर वाल्मीकि समाज की एकजुटता दिखाई दे और सरकार तक समाज की मांगों की मजबूत आवाज पहुंचे। बैठक में मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष देवदास चौहान, नैनी प्रधान खुर्जा, निलेश चौहान, पवन मनौतिया, रवि कुमार, नरेश कुमार, बंटी गहलोत, विवेक कुमार, कुलदीप मनौतिया, रोहित बालाजी, दीपक पांचला देवबंद, राजेंद्र सोढ़ी, बिजेंद्र लाहौरी, मनोज वाल्मीकि नगीना, कैलाश चंदोला, आशीष कुमार, हरीश कुमार, अरविंद कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने विचार व्यक्त किए। इस दौरान मुख्य अतिथि भगवत प्रसाद मकवाना का फूलमालाओं से स्वागत कर सम्मानित किया गया। मकवाना ने भी मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित कार्यकताओं का फूलमालाओं से स्वागत कर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरिमोहन भाटिया ने की तथा संचालन विनोद बच्चन ने किया।

फतेहपुर में शराब ठेके पर खूनी खेल, दो इनामिया भाई गिरफ्तार

फतेहपुर (सब का सपना): जनपद के हुसैनगंज थाना क्षेत्र के असनी गांव में शराब ठेके पर हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो इनामिया भाइयों को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि 29 अगस्त की रात करीब 10 बजे ठेके पर सेल्समैन गोवर्धन निषाद के बेटों से वैभव तिवारी की कहासुनी हो गई थी। गोवर्धन ने फोन कर ठेका संचालक अमन सिंह उर्फ अखिलेन्द्र विक्रम सिंह और उसके भाई इन्द्रेश विक्रम सिंह उर्फ मनू सिंह को बुला लिया। विवाद बढ़ने पर मनू सिंह ने अपनी मां संगीता देवी की लाइसेंसी रिवाल्वर से मनीष तिवारी उर्फ मनीष पंडा के सीने में गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद दोनों भाई कार से फरार हो गए थे। एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने दोनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने 30 अगस्त को लखनऊ के चिनहट क्षेत्र से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने रिवाल्वर पंकज पाण्डेय को देने की बात कबूली है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त कार बरामद कर ली है, जबकि रिवाल्वर की तलाश जारी है।

असोथर से चित्रकूट तक रोडवेज बस सेवा की पहल, बबेरू तक हुआ ट्रायल

असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- असोथर से चित्रकूट धाम के लिए रोडवेज बस सेवा शुरू होने की उम्मीद बढ़ गई है। परिवहन विभाग ने सर्वे शुरू करते हुए सोमवार को फतेहपुर से असोथर होते हुए बबेरू तक बस का ट्रायल कराया। प्रस्तावित बस सुबह फतेहपुर से चलकर थरियांव, रसूलाबाद, टीकर, असोथर, जरौली, रामनगर कौहन होते हुए बांदा के मरका, भभुआ, मंझिला, बबेरू और बिसंडा से चित्रकूट पहुंचेगी। शाम को इसी रूट से वापसी होगी। भाजपा मंडल उपाध्यक्ष गौरव सिंह गौतम ने 17 जून को विधायक विकास गुप्ता को पत्र देकर यह मांग उठाई थी। अमावस्या और एकादशी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु चित्रकूट जाते हैं, सीधी बस न होने से परेशानी होती है। सर्वे शुरू होने से क्षेत्रवासियों में नियमित सेवा शुरू होने की उम्मीद जगी है।

मायके से ससुराल पहुंचने के दो दिन बाद विवाहिता की मौत, दहेज हत्या का आरोप

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के कस्बा नगीना में मायके से ससुराल पहुंचने के दो दिन बाद एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज में कार की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मंडावर के मोहल्ला कस्साबान निवासी अब्दुल वहीद की पुत्री खुशनुमा (विवाहिता) का निकाह अक्टूबर 2023 में नगीना के मोहल्ला खुर्रम अली सराय निवासी मास्टर सलाहुद्दीन के पुत्र जाकिर के साथ हुआ था। मृतका के भाई नईम का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज में कार की मांग को लेकर उसकी बहन का उत्पीड़न करते थे। आरोप है कि खुशनुमा को कमरे में बंद कर उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। मायके वालों के मुताबिक, ससुराल में उसके साथ कथित मारपीट और उत्पीड़न से संबंधित कई वीडियो भी सामने आए हैं। बताया गया कि खुशनुमा पिछले करीब छह-सात माह से अपने मायके में रह रही थी। परिजनों के अनुसार, 29 अगस्त को कुछ लोगों के समझाने-बुझाने के बाद उसे ससुराल भेजा गया था। रविवार रात करीब नौ बजे ससुराल पक्ष के लोगों ने मायके में फोन कर खुशनुमा की मौत होने की सूचना दी। वहीं, ससुराल पक्ष का कहना है कि खुशनुमा को दौरे पड़ते थे और इसी कारण उसकी मौत हुई है।

सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही विवाहिता की मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

प्रेमी के परिजनों ने प्रेमिका के घर बोला धावा, लाठी-डंडों से हमला

तीन महिलाएं घायल, बुजुर्ग महिला की हालत गंभीर; पीड़ितों ने एसपी से लगाई गुहार

नांगल सोती/बिजनौर (सब का सपना):- प्रेमी-प्रेमिका के घर से फरार होकर शादी करने के मामले में विवाद बढ़ गया। आरोप है कि प्रेमी के परिजनों ने प्रेमिका के घर पहुंचकर जमकर मारपीट की। लाठी-डंडों से किए गए हमले में तीन महिलाएं घायल हो गईं। इनमें एक बुजुर्ग महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला थाना नांगल सोती क्षेत्र के शहजादपुर इलाके का बताया जा रहा है। पीड़ित परिवार के अनुसार, एक युवक और युवती कुछ समय पूर्व घर से फरार होकर शादी कर चुके हैं। इससे नाराज प्रेमी के परिजन कथित रूप से युवती के घर पहुंचे और वहां मौजूद लोगों से विवाद करने लगे। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर उन्होंने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में परिवार की तीन महिलाएं घायल हो गईं। एक बुजुर्ग महिला को गंभीर चोटें आने के कारण उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। परिजनों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना से परेशान पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। बताया गया है कि एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाना पुलिस को प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश के 61 बेसिक शिक्षकों को मिलेगा राज्य शिक्षक पुरस्कार

बिजनौर से रचना कपूर, अमरोहा की गीता वर्मा, मुरादाबाद से सुनीता रानी, रामपुर की वैलीनटीना और सम्भल के बृजकिशोर होंगे सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन के उपसचिव शंभू प्रसाद ने राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित 61 शिक्षक शिक्षिकाओं की सूची सोमवार को जारी कर दी है kउप सचिव शासन शंभू प्रसाद ने निदेशक बेसिक शिक्षा के नाम जारी परिपत्र में अवगत कराया है कि राज्य चयन समित द्वारा प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के चयनित 61 शिक्षक शिक्षिकाओं को राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए स्वीकृति दे दी है। इनमें प्रत्येक जनपद से एक शिक्षक शिक्षिका को राज्य पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। उप सचिव शासन द्वारा जारी पत्र के अनुसार बिजनौर जनपद के हल्दौर विकास खण्ड के पूर्व माध्यमिक विद्यालय नंगली छोइया की सहायक अध्यापिका रचना कपूर को राज्य पुरस्कार के लिए चयनित घोषित किया गया है। अमरोहा जनपद के गजरौला विकास खण्ड के कंपोजिट विद्यालय चौबारा की सहायक अध्यापिका गीता वर्मा, मुरादाबाद जिले के विकास खण्ड भगतपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय सिरसिवा गौड़ की सहायक अध्यापिका सुनीता रानी, रामपुर जनपद के नगर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अहमदनगर की प्रधानाध्यापिका वैलेनटीना विक्टर और सम्भल जनपद के विकास खण्ड गन्नौर के कंपोजिट विद्यालय रसूलपुर के प्रधानाध्यापक बृजकिशोर को राज्य पुरस्कार के लिए चयनित घोषित किया गया है। राज्य पुरस्कार के लिए चयनित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को अनेक शिक्षक शिक्षिकाओं ने बधाई दी है।

जलभराव और गंदगी की कैद में नौनिहाल: प्राथमिक विद्यालय पर लटका ताला, पढ़ाई ठप

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के स्वच्छता अभियानों के दावों के बीच नजीबाबाद के ग्राम राहुखेड़ी कोरा (उर्फ राजारामपुर) की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। यहां भारी जलभराव और गंदगी के कारण प्राथमिक विद्यालय पर ताला लटक गया है, जिससे मासूम बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है। लगातार जमा गंदे पानी और मच्छरों के प्रकोप से क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले साल भी जलभराव के कारण पंचायत भवन में कक्षाएं चलानी पड़ी थीं, लेकिन प्रशासन ने समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला। उधर, मोहल्ला आजाद नगर और आजाद चौक मुख्य मार्ग पर फैले कूड़े के ढेरों व सड़ते कचरे से दुर्गंध फैली है, जिससे स्थानीय निवासियों और व्यापारियों का निकलना तक दुश्वार हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल निकासी और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने की तत्काल मांग की है।

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहें हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद से ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सके तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षों से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूढ़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणास्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, घी, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दातों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो शर्मिंदगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूढ़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजना दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूढ़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3995

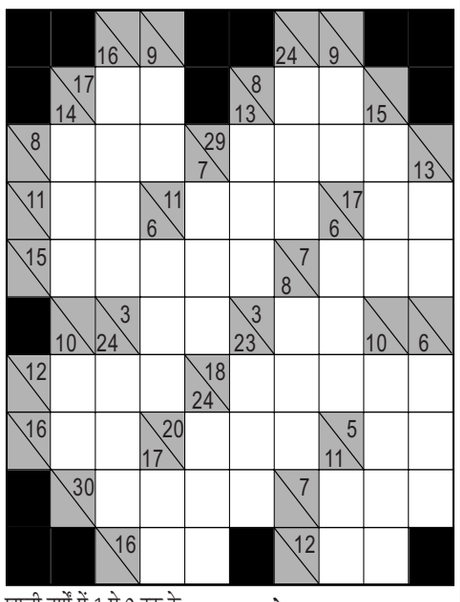

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

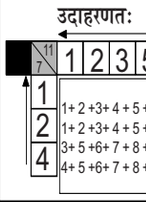

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो -3994 का हल

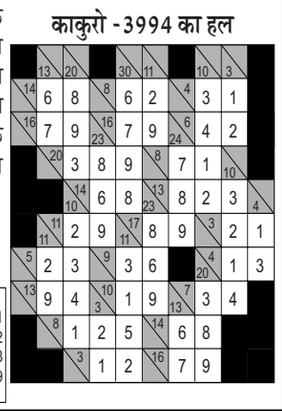

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3995

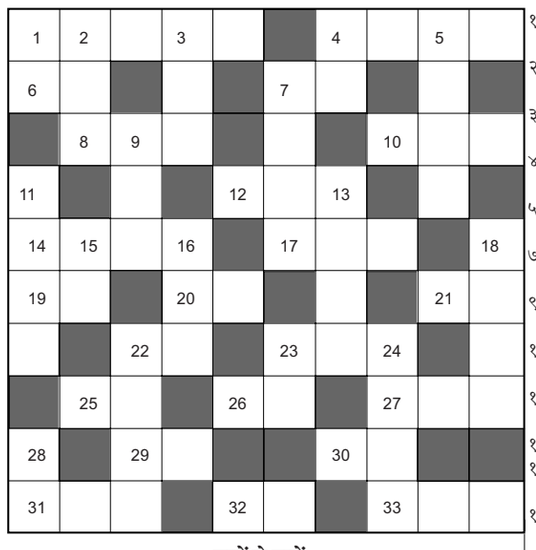

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताभ, नंदिता दास की फिल्म-२
२. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-३
४. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-२
५. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-४
७. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-१,३
९. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
११. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१५. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका?-२
१६. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-४
२२. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-२
२४. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-४
६. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-२
८. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-३
१०. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-३
१४. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-४
१७. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१९. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२१. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-२
२२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-२
२३. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-३
२५. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२६. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२९. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'फूल मांगू ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-२
३१. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-३
३२. फिल्म 'तपस्या' की नायिका?-२
३३. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3994

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा	
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू
	र		घ		ज	न	म		र
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त
स			डी			नू	री		
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प	
कौ	न			प		न	व	रं	ग
न		अ	नु	रा	ग			प	
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध

सूडोकु -3995

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3994 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 3995

बाएँ से दाएँ

1. बलवान,ताकतवर-4
3. गाल,कपोल(ऊर्दू)-4
6. अनाज, धान-2
7. अवनति-3
8. जीवन तत्व-2
10. पुलिसकर्मी-4
11. भीगा हुआ-2
13. घमंडी,अभिमानी-4
15. दर्शन-3
17. अजदहा,शयालु-4
20. वायु रोग-2
21. दोस्त,सखा-3
23. ख्वाब,स्वप्न-3
25. अपशिष्ट पदार्थ-2
26. जंगल की आग-4
29. पुत्र,लड़का-3
31. पैगंबर,महापुरुष-4
32. राय,वोट-2
34. आफिस,दफ्तर-4
35. वीज,वीर्य-2
37. घर,भवन-3
39. सप्तम-2
40. आक्रमण,हमला-4
41. बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे

1. एक छोटी डबलरोटी-2
2. धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3. मौसम,ऋतु-2
4. खोदना-3
5. छुट्टी,अवकाश-2
6. उदास,दुखी-4
7. पंख,पराया-2
9. जहीनता-4
10. आवश्यकता-4
12. अभिमान,गरुर-2
14. अग्नि,अनल-2
16. विदा होना-3
18. कुशल-3
19. फलों का रस-2
21. संगम,मिलना-3
22. वायदा-2
24. हार,मात-4
25. स्वार्थी-4
27. दीवार (अंग्रेजी-2)
28. आदत-4
30. यमराज-2
31. उथल-पुथल-4
33. पदक-3
34. श्रवणेंद्रिय-2
36. जीत,विजय-2
38. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली -3994 का हल

अ	ना	द	र	णी	य		घ्र	क्षे	प	क
सं	ग		वे		कृ	पा	ण		र	म
वे		अ	दा	व	त		य	हां		जो
धा	रा	दा	र			अ		का	त	र
त्रि		व		प्र	क्षा	ल	न		म	
क	म	त	र	ता		सा	ग	र	गा	मी
	लि		स	र	मा	या		द		न
बे	का	बू		णा			व	न	वा	सी
क		आ	स		अ	द	र	क		ले
द	म		ब	ह्य	र		दा		ना	य
र	सा	त	ल		ज	ही	न	कु	श	ल

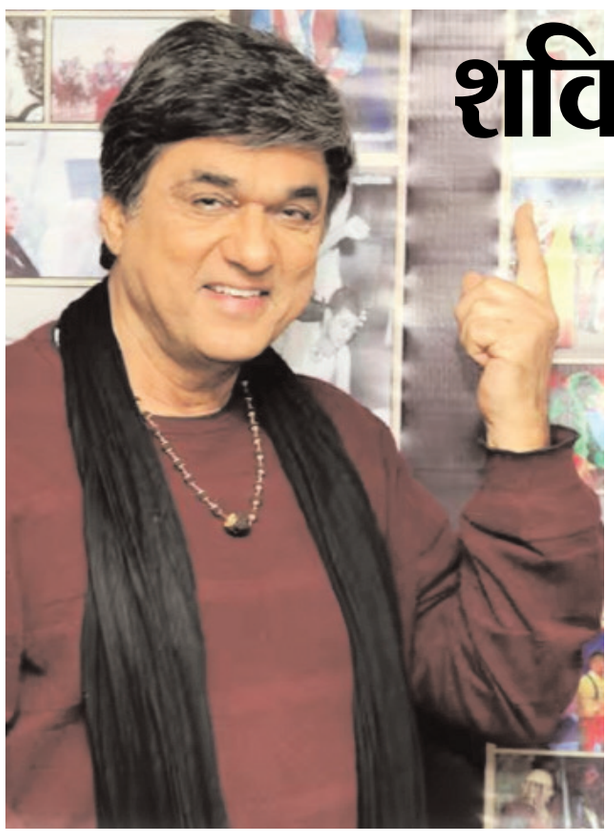

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।' मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।'

कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

कुब्रा का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद हैं और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ' 'कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा.' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ' 'रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ' 'इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

'द रेवोल्यूशनरीज' में दिखेगा रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

राशि खन्ना फिल्म उद्योग में अपने 13 साल के सफर को याद किया

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

मुश्किल दौर से गुज़र रहे ओरी के लिए खतरों के खिलाड़ी 15 बना भावनात्मक सहारा

'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपना शानदार परफॉर्मेंस दे रहे ओरी ने हाल ही में शो के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि यह शो उनके लिए सिर्फ खतरनाक स्टंट्स करने का मंच नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने की एक खास यात्रा थी।

अपने सोशल मीडिया प्रेजेंस और सेलिब्रिटी सर्कल के लिए मशहूर ओरी ने यह भी खुलासा किया है कि शो में शामिल होने से पहले वह एक मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। एक दर्दनाक अनुभव के बाद वह भावनात्मक रूप से काफी अलग-थलग महसूस करने लगे थे और कई चीजों से उनका जुड़ाव कम हो गया था।

ओरी ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्हें छोटी-छोटी बातों में खुशी मिलती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह उत्साह कहीं खो गया। ऐसे में 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए उन एहसासों को दोबारा महसूस करने का जरिया बन गया। गौरतलब है कि केप टाउन में बिताए इस सफर ने उन्हें डर, घबराहट, हंसी और कई भावनात्मक पलों से रूबरू कराया। हालांकि स्टंट्स से ज्यादा बड़ी चुनौती खुद से दोबारा जुड़ना था। ओरी के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें फिर से जिंदगी को महसूस करना सिखाया और उन भावनाओं से दोबारा मिलवाया, जिन्हें वह खो चुके थे। ऐसे में केप टाउन उनके लिए सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि आत्म-खोज और नए सिरे से खुद को पाने की एक यादगार यात्रा बन चुका है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।